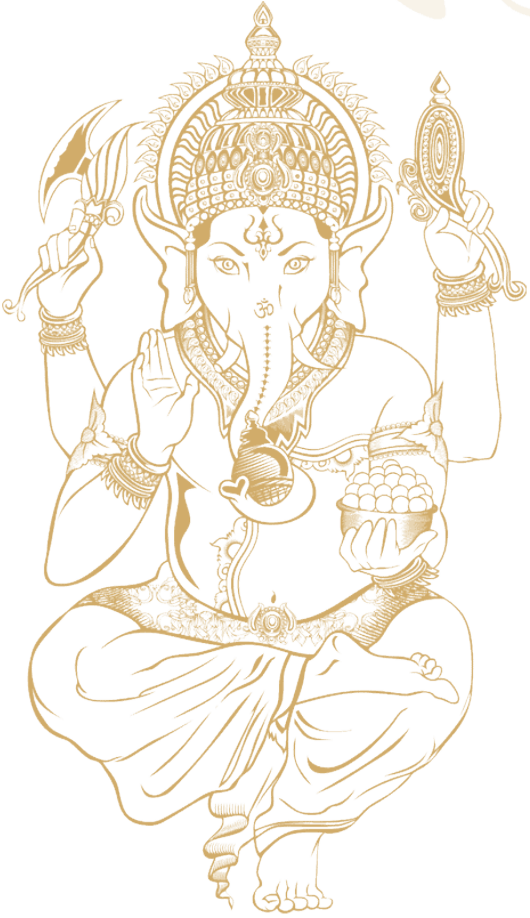

Ritik

13 May 2001

01:00 AM

Muzaffarpur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121519124

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
12-13/05/2001	जन्म तिथि	**13/05/2026**
शनि-रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 01:00:00	जन्म समय	10:48:34 घंटे
घटी 49:49:29	जन्म समय(घटी)	14:22:14 घटी
India	देश	India
Muzaffarpur	स्थान	Muzaffarpur
उत्तर 26:07:00	अक्षांश	26:07:00 उत्तर
पूर्व 85:23:00	रेखांश	85:23:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:32	स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:04:12	सूर्योदय	05:03:40
18:26:22	सूर्यास्त	18:26:20
23:52:16	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:37
कुम्भ	लग्न	कर्क
शनि	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
धनु	राशि	मीन
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	उ०भाद्रपद
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शनि
1	चरण	2
शुभ	योग	विष्कुम्भ
गर	करण	बालव
भे-भैरव	जन्म नामाक्षर	थ-थाकोरी
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
नकुल	योनि	गौ
मनुष्य	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	सर्प
25	गत/तत्कालिक वर्ष	26

जन्म - विवरण / वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
शतभिषा	1	07:03:12	कुंभ			लग्न			कर्क	18:00:37	1	आश्लेषा
कृतिका	1	28:14:54	मेष			सूर्य			मेष	28:14:54	1	कृतिका
उत्तराषाढ़ा	1	29:43:41	धनु			चंद्र			मीन	08:47:51	2	उ०भाद्रपद
मूल	2	05:10:12	धनु	व		मंगल			मेष	01:27:31	1	अश्विनी
रोहिणी	3	17:40:54	वृष			बुध		अ	मेष	26:34:54	4	भरणी
रोहिणी	4	22:11:16	वृष			गुरु			मिथु	26:31:58	2	पुनर्वसु
उ०भाद्रपद	4	15:53:32	मीन			शुक्र			वृष	28:47:45	2	मृगशिरा
कृतिका	4	08:50:55	वृष		अ	शनि			मीन	16:14:38	4	उ०भाद्रपद
आर्द्रा	2	13:18:21	मिथु			राहु	व		कुंभ	11:34:44	2	शतभिषा
मूल	4	13:18:21	धनु			केतु	व		सिंह	11:34:44	4	मघा
धनिष्ठा	3	00:51:02	कुंभ			मु			मीन	07:03:12	2	उ०भाद्रपद

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:37

लग्न-चलित

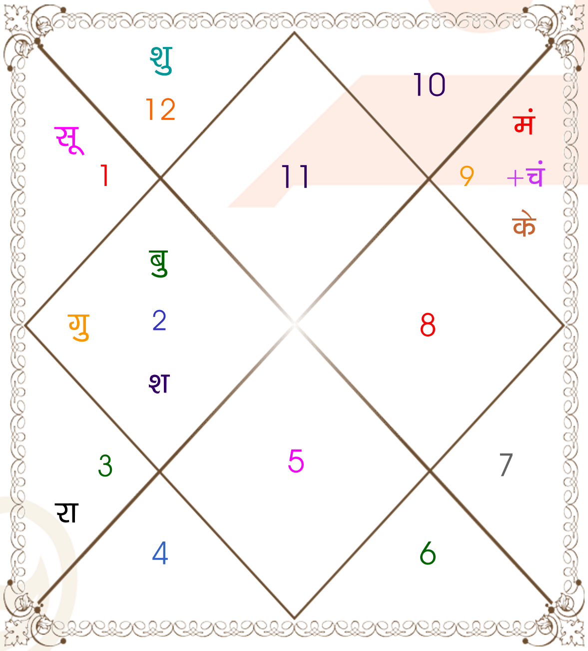

वर्ष लग्न कुंडली

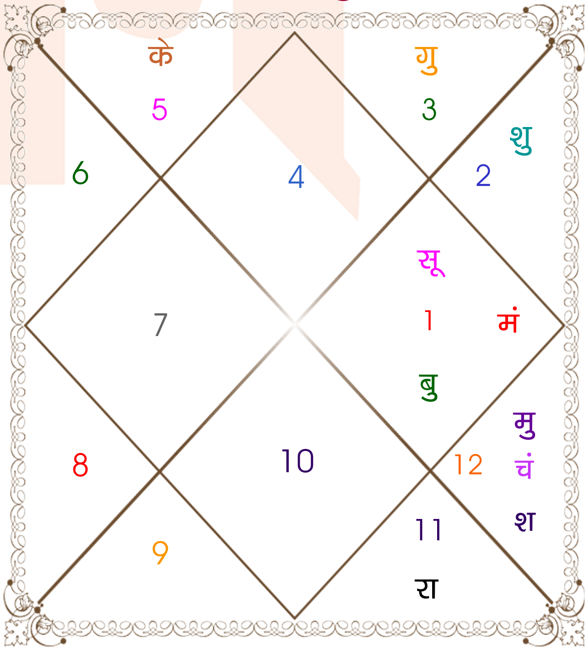

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - गुरु - शनि	
02/01/2026 16:11	21/05/2026 11:15
शनि	24/01/2026 15:36
बुध	13/02/2026 07:30
केतु	21/02/2026 09:49
शुक्र	16/03/2026 13:00
सूर्य	23/03/2026 11:33
चंद्र	04/04/2026 01:08
मंगल	12/04/2026 03:27
राहु	02/05/2026 23:07
गुरु	21/05/2026 11:15

राहु - गुरु - बुध	
21/05/2026 11:15	22/09/2026 15:42
बुध	08/06/2026 01:29
केतु	15/06/2026 07:21
शुक्र	06/07/2026 00:05
सूर्य	12/07/2026 05:06
चंद्र	22/07/2026 13:29
मंगल	29/07/2026 19:20
राहु	17/08/2026 10:24
गुरु	02/09/2026 23:48
शनि	22/09/2026 15:42

राहु - गुरु - केतु	
22/09/2026 15:42	12/11/2026 18:56
केतु	25/09/2026 15:17
शुक्र	04/10/2026 03:50
सूर्य	06/10/2026 17:11
चंद्र	10/10/2026 23:27
मंगल	13/10/2026 23:03
राहु	21/10/2026 15:08
गुरु	28/10/2026 10:46
शनि	05/11/2026 13:05
बुध	12/11/2026 18:56

राहु - गुरु - शुक्र	
12/11/2026 18:56	07/04/2027 21:20
शुक्र	07/12/2026 03:20
सूर्य	14/12/2026 10:39
चंद्र	26/12/2026 14:51
मंगल	04/01/2027 03:24
राहु	26/01/2027 01:21
गुरु	14/02/2027 12:53
शनि	09/03/2027 16:03
बुध	30/03/2027 08:48
केतु	07/04/2027 21:20

राहु - गुरु - सूर्य	
07/04/2027 21:20	21/05/2027 17:15
सूर्य	10/04/2027 01:56
चंद्र	13/04/2027 17:36
मंगल	16/04/2027 06:57
राहु	22/04/2027 20:45
गुरु	28/04/2027 17:00
शनि	05/05/2027 15:33
बुध	11/05/2027 20:34
केतु	14/05/2027 09:56
शुक्र	21/05/2027 17:15

राहु - गुरु - चंद्र	
21/05/2027 17:15	02/08/2027 18:27
चंद्र	27/05/2027 19:21
मंगल	01/06/2027 01:38
राहु	12/06/2027 00:36
गुरु	21/06/2027 18:22
शनि	03/07/2027 07:57
बुध	13/07/2027 16:20
केतु	17/07/2027 22:36
शुक्र	30/07/2027 02:48
सूर्य	02/08/2027 18:27

राहु - गुरु - मंगल	
02/08/2027 18:27	22/09/2027 21:42
मंगल	05/08/2027 18:03
राहु	13/08/2027 10:08
गुरु	20/08/2027 05:46
शनि	28/08/2027 08:05
बुध	04/09/2027 13:56
केतु	07/09/2027 13:31
शुक्र	16/09/2027 02:04
सूर्य	18/09/2027 15:26
चंद्र	22/09/2027 21:42

राहु - गुरु - राहु	
22/09/2027 21:42	01/02/2028 09:27
राहु	12/10/2027 15:04
गुरु	30/10/2027 03:50
शनि	19/11/2027 23:29
बुध	08/12/2027 14:33
केतु	16/12/2027 06:39
शुक्र	07/01/2028 04:36
सूर्य	13/01/2028 18:23
चंद्र	24/01/2028 17:22
मंगल	01/02/2028 09:27

राहु - शनि - शनि	
01/02/2028 09:27	15/07/2028 05:07
शनि	27/02/2028 11:46
बुध	21/03/2028 20:09
केतु	31/03/2028 10:54
शुक्र	27/04/2028 22:11
सूर्य	06/05/2028 03:58
चंद्र	19/05/2028 21:36
मंगल	29/05/2028 12:21
राहु	23/06/2028 05:42
गुरु	15/07/2028 05:07

राहु - शनि - बुध	
15/07/2028 05:07	09/12/2028 16:23
बुध	05/08/2028 02:31
केतु	13/08/2028 16:58
शुक्र	07/09/2028 06:51
सूर्य	14/09/2028 15:49
चंद्र	26/09/2028 22:45
मंगल	05/10/2028 13:12
राहु	27/10/2028 16:06
गुरु	16/11/2028 08:00
शनि	09/12/2028 16:23

राहु - शनि - केतु	
09/12/2028 16:23	08/02/2029 09:44
केतु	13/12/2028 05:24
शुक्र	23/12/2028 08:17
सूर्य	26/12/2028 09:09
चंद्र	31/12/2028 10:36
मंगल	03/01/2029 23:37
राहु	13/01/2029 02:13
गुरु	21/01/2029 04:32
शनि	30/01/2029 19:17
बुध	08/02/2029 09:44

राहु - शनि - शुक्र	
08/02/2029 09:44	31/07/2029 21:35
शुक्र	09/03/2029 07:43
सूर्य	17/03/2029 23:54
चंद्र	01/04/2029 10:53
मंगल	11/04/2029 13:47
राहु	07/05/2029 14:21
गुरु	30/05/2029 17:32
शनि	27/06/2029 04:49
बुध	21/07/2029 18:42
केतु	31/07/2029 21:35

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रुके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।